



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 108]

नई विल्लो, सोमवार, मई 27, 1991/ज्येष्ठ 6, 1913

No. 108]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 27, 1991/JYAISTA 6, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ में स्थायी दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय
प्रधिकार सूचना
नई दिल्ली, 27 मई, 1991
निधन-सूचना

सं. 3/1/91-प्रिलिक :—भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री व प्रखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (आई) के अध्यक्ष, श्री राजीव गांधी का दिनांक 21 मई, 1991 को मंत्रालय के सभीय श्रीपेरमबुद्धर में एक बम विस्फोट में निधन हो गया।

श्री राजीव गांधी के निधन से शास्त्र ने एक ऐसे युवा नेता को खो दिया है जिसने अपने दल एवं सरकार का समर्पित भावना, दृढ़ साहस और मिगनरी उत्साह से नेतृत्व किया। उनकी बर्बरतारूर्ग कृत्या से सम्पूर्ण देश में कुख्य को लहर फैल गई है।

अन्तर्राष्ट्रीय रूप्याति के नेता, श्री राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 का बम्बई में श्रीमती शान्दरा गांधी

और श्री किरोज़ गांधी के परिवार में हुआ। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा दून स्कूल में हुई और फिर उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज, केम्ब्रिज और इम्पीरियल कॉलेज, लन्धन में मैक्सिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन किया। 1968 में नई दिल्ली में मुश्ता सांगाया याहोनो से उनका विवाह हुआ। इन्डियन एवरेनाइट्स में एक पार्श्वट के रूप में अपनी अजीविका प्रारम्भ करते हुए, उन्होंने जून 1980 में अपने छोटे भाई, श्री संजय गांधी के आक्रिमिक निधन के उपरान्त सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया।

श्री राजीव गांधी 1981 में एक उप-चनाव में श्रेष्ठी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार चुने गए और बाद में वे कांग्रेस (आई) पार्टी के महासचिव बने। उन्होंने 31 अक्टूबर, 1984 को श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के कुछ ही घंटों बाद 40 वर्ष की आयु में भारत के प्रधान मंत्री का कार्यालय संभाला और उसी वर्ष विसम्बर में लोक सभा चुनावों में तीन चारों राज्यों में जीतकर अपने इस का भारी

मफनता शिवार्दि । वे विष्व में सबसे कम आयु के निर्वाचित शासनाध्यक्ष बने ।

देश के प्रधान मंत्री के रूप में श्री राजीव गांधी ने 1985 में एनिहासिक पंजाब समझौते, 1987 में भारत श्रीलंका शान्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए और 1988 में मालदीव में आपातकालीन सैन्य महायता भेजकर व्यापक व्याप्ति अर्जित की । उन्होंने पाकिस्तान और चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार मिशनों को भी ओपनार्क रूप दिया और 1988 में अपनी वीजिंग यात्रा से भारत-चीन संबंधों को भव्यर बनाने का श्रेय प्राप्त किया । अपने देश में श्री राजीव गांधी ने अर्थ व्यवस्था के लिए अत्यधिक आवश्यक उदारीकरण तथा आधुनिकीकरण को गति तथा पर्यावरण संरक्षण और गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों को तीव्रता प्रदान की ।

अपनी प्रगाढ़ देश भक्ति, गतिशीलता तथा दूरदृशिता के कारण श्री राजीव गांधी आने वाले समय में भारतीय जनमानस के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे ।

आर.के. भार्गव, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 1991

OBITUARY

No. 3/1/91-Public.—Shri Rajiv Gandhi, former Prime Minister of India and President, All India Congress Committee (I), died in a bomb explosion at Sriperumbudur near Madras on 21st May, 1991.

In the demise of Shri Rajiv Gandhi the nation has lost a young leader who led his party and headed the Government with dedication, courage of conviction and missionary zeal. His brutal assassination has sent shock waves throughout the country.

A leader of international stature, Shri Rajiv Gandhi was born on 20th August, 1944 in Bombay

to Smt. Indira Gandhi and Shri Feroz Gandhi. He had his early education at the Doon School and later studied Mechanical Engineering in Trinity College, Cambridge, and then in Imperial College, London. He married Sushri Sonia Maino at New Delhi in 1968. Starting his career as a pilot in the Indian Airlines, he later entered public life after the sudden demise of his younger brother, Shri Sanjay Gandhi, in June, 1980.

Shri Rajiv Gandhi was first returned from the Amethi Lok Sabha Constituency in a bye-election in 1981 and later became the General Secretary of the Congress (I) Party. He took over as the Prime Minister of India hours after the assassination of Smt. Indira Gandhi on 31st October, 1984, at the age of 40, and led his party to a landslide victory, winning three-fourths of the seats in the Lok Sabha in December the same year. He became one of the youngest elected heads of Government in the world.

As the Prime Minister of the country, Shri Rajiv Gandhi signed the historic Punjab Accord in 1985, the Indo-Sri Lanka Peace Accord in 1987 and won acclaim for sending emergency aid to the Maldives in 1988. He also formalised bilateral trade treaties with Pakistan and China and was responsible for a warmer India-China relations with his Beijing visit in 1988. Back home, Shri Rajiv Gandhi gave a fillip to the much-needed liberalisation and modernisation of the economy, the preservation of the environment and poverty alleviation programmes.

For his intense patriotism, dynamism and vision Shri Rajiv Gandhi will continue to be a source of inspiration for the people of India in times to come.

R.K. BHARGAVA, Secy.